मैनेजमेंट एक्सपर्ट्स ने बजट को बताया मोदी मैनेजमेंट

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

देश में जहां एक ओर बजट पर लोगों की निगाहें टिकी रहीं तो वहीं मैनेजमेंट एक्सपर्ट्स ने बजट को मोदी मैनेजमेंट बताया। बात हो रही है भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रोफेसर्स की। प्रोफेसर्स ने बजट पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बजट पर कहा कि सरल और गांव-किसान दोनों को ज्यादा केन्द्रित किया गया।

व्यापार को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम। अर्थव्यवस्था में अगली क्वांटम वृद्धि उद्यमशीलता से आएगी इन्हीं बातों को बजट में रखा गया है। इसलिए स्टार्टअप को दिया गया लाभ सही दिशा में एक कदम है। रियल इस्टेट जैसे सेक्टर, जो मंदी के दौर से गुजर रहे थे, उनमें मांग में अब वृद्धि देखी जाएगी।

– डॉ. जागरूक डावरा
सह-प्राध्यापक, विपणन

शिक्षा, रोजगार और पर्यावरणीय स्थिरता नहीं

विकासोन्मुखी बजट है। यह सुधारों और आशाओं से भरा है। हालांकि शिक्षा और रोजगार और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच के अंतर को संबोधित नहीं किया गया है। इसके अलावा ऑयल पर लगाए गए कर का खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ेगा, जो विकास को रोक सकता है।

– प्रो. एम. कन्नधसन, प्रोफेसर
वित्त और लेखा

बजट 2019 में सार्वजनिक और निजी परोपकार के बीच संतुलन लाने की कोशिश की है। ग्रामीण आबादी के लिए, उन्होंने हर घर जल योजना, 50,000 कारीगरों के लिए 100 नए क्लस्टर दिया गया। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चरण तीन में 1, 25000 किलोमीटर के उन्नयन, नवीन जीरो बजत, खेती को बढ़ावा देने, 80 आजीविका व्यवसाय इन्क्यूबेटरों और 20 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों के प्रस्ताव की घोषणा की है, जो बेहतर है। इसके अलावा महिला एसएचजी समूहों को जन धन खाते में अतिरिक्त रू.5000 प्रति सदस्य देकर सहयोग किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

– डॉ. योगेश चौहान
सहायक प्रोफेसर, वित्त और लेखा

Naidunia, 6th July 2019, p.12.jpg